सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 276 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 14 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

आप दीवार के चित्रों को बदल कर इतिहास के तथ्यों को नहीं बदल सकते हैं।
-पं. जवाहरलाल नेह

भारत ने टी-20 सीरीज में... 7 | यूपी उपचुनाव: नतीजे देंगे 2027 का... 3 | घर तोड़ने वाले क्या जानें जोड़ना... 2

नौजवानों पर लाठी चलाना कहीं योगी सरकार को न पड़ जाए भारी

पुलिस और छात्रों के बीच हाथापाई, स्थिति तनावपूर्ण

» छात्राओं ने संभाला मोर्चा, पुलिस ने की अभद्रता

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपीपीएससी के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन का चौथा दिन है। गुरुवार को आयोग के सामने स्थिती और तनावपूर्ण हो गई है। छात्र परीक्षा को दो पालियों में करवाने पर आयोग के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

अभ्यर्थी पिछले तीन दिन से अपनी मांगों के लिए सड़क पर उतरे हैं पर प्रदेश की योगी सरकार की कान पर जूं तक नहीं रेंक रही। इसको लेकर सियासी गलियारें में यह चर्चा हो रही है कि नौजवानों का यह उग्र प्रदर्शन योगी सरकार के लिए भारी न पड़ जाए। हालांकि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने छात्रों की परेशानी को संज्ञान में लेने के लिए आयोग के अधिकारियों से कहा है पर अबतक कुछ नहीं हुआ है। वहीं छात्राओं का कहना है कि उनके साथ कोई महिला पुलिसकर्मी नहीं थी। छात्राओं के साथ अभद्रता भी हुई है। अब छात्राओं ने ही मोर्चा संभाल लिया है और धरने का खुद नेतृत्व कर रही हैं। चारों तरफ बैरिकेडिंग और ज्यादा कर दी गई है। उधर इस मामले में सियासत भी गरमाई है। सपा, बसपा, कांग्रेस समेत लगभग यूपी के सभी विपक्षी दलों ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है।

परीक्षा एक दिन और एक शिफ्ट में कराए जाने की मांग कर रहे हैं छात्र

प्रदर्शनकारी छात्र यूपीपीसीएस 2024 और आरओएआरओ भर्ती परीक्षा एक दिन और एक शिफ्ट में कराए जाने की मांग कर रहे हैं। वह परीक्षा में लागू होने वाले नॉर्मलाइजेशन का भी विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है, इसे वह कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पुलिस से झड़प में कई छात्र घायल

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सामने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस और छात्रों के बीच जबरदस्त नोकझोंक और हाथापाई हो रही है। स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई है। मौके पर भारी फोर्स मौके पर पहुंच गई है। इससे पहले, आज सुबह 8:00 बजे धरनास्थल पर अचानक पुलिस फोर्स पहुंची और कुछ छात्रों को घसीट कर ले गई। इनमें छात्र नेता आशुतोष पांडे भी शामिल हैं जो उसे वक्त धरने का नेतृत्व कर रहे थे। इस खींचतान में धरने पर बैठी कई छात्राएं चोटिल भी हो गईं। तमाम पुलिस कर्मी बिना वर्दी के थे।

छात्रों के आंदोलन में शामिल हो सकते हैं अखिलेश

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव चुनाव प्रचार के सिलसिले में आज प्रयागराज रहेंगे। इस दौरान कहीं वह आंदोलनकारी छात्रों से मिलने धरना स्थल पर नहीं पहुंच जाये, यही सोच-सोच कर प्रयागराज प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए हैं। दरअसल, यूपी लोक सेवा आयोग के खिलाफ प्रतियोगी छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है।

फोटो: सुमित कुमार

प्रदर्शनकारी छात्रों का आयोग से बातचीत करने से इंकार

प्रदर्शनकारी छात्रों से एक प्रतिनिधिमंडल बनाकर आयोग से वार्ता करने की बात कही। अफसरों ने कहा कि आयोग और छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के बीच होने वाली बातचीत में वह मध्यस्थता करने को तैयार है। हालांकि प्रदर्शनकारी छात्र इसके लिए राजी नहीं हुए। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि वह कोई बातचीत नहीं करना चाहते। आयोग ने मनमाना फैसला किया है। आयोग को अपना फैसला वापस लेने का ऐलान करना चाहिए। फैसला वापस लेने का नोटिस जारी होते ही वह आंदोलन को खुद ही खत्म कर देंगे।

पुलिस छात्रों को घसीट घसीट कर ले गई

घर तोड़ने वाले क्या जानें जोड़ना : अखिलेश यादव

योगी सरकार पर सपा प्रमुख का तंज, बोले- अब गैराज में खड़ा हो जाएगा बुलडोजर, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को उपचुनाव में एक बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बुलडोजर मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से योगी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। वहीं विपक्ष इस फैसले को यूपी में आने वाले उपचुनाव में एक बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी कर रहा है। इसी क्रम में बुलडोजर मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बुलडोजर अब गैराज में ही रहेगा।

श्री यादव ने कवि प्रदीप की उन पंक्तियों का भी जिक्र किया जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में शामिल किया था। पंक्तियाँ इस प्रकार हैं, हर कोई एक घर का सपना देखता है, एक व्यक्ति घर के सपने को संजोए रखना चाहता है। उन्होंने कहा कि सरकार की इससे कड़ी आलोचना नहीं हो सकती। बुलडोजर जघन्य अपराधों में आरोपी लोगों पर कार्रवाई करने वाले क्रूर राज्य के प्रतीक के रूप में उभरा था। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बार-बार बुलडोजर कार्रवाई के इस्तेमाल से मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को बुलडोजर बाबा का टैग मिला था। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि जो घर तोड़ना जानते हैं उनसे आप क्या उम्मीद कर सकते हैं? कम से कम आज तो उनका बुलडोजर गैराज में खड़ा रहेगा, अब किसी का घर नहीं टूटेगा।

हमारे विधायक रिहा होंगे और हमारे बीच आएंगे

कन्नौज के सांसद कानपुर के सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित कर रहे थे, जो उत्तर प्रदेश की उन नौ सीटों में से एक है जहां 20 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी सरकार का प्रतीक बन चुके बुलडोजर के खिलाफ टिप्पणी की है। हमें कोर्ट पर पूरा भरोसा है, एक दिन हमारे विधायक रिहा होंगे और हमारे बीच आएंगे और पहले की तरह काम करेंगे।

सरकार बनेगी तो लाल इमली दिल्ली से अपने हाथ में ले लेंगे

सीसामऊ उपचुनाव के मद्देनजर चुनावी वादों के क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लाल इमली मिल चलवाने का घुमाकर वादा किया। उन्होंने कहा कि अपनी सरकार बनेगी तो लाल इमली दिल्ली (केंद्र सरकार) से अपने हाथ में ले लेंगे। वादा किया कि टेनरियां नहीं हटने देंगे। करोड़ों खर्च करके टेनरी उद्योग को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा, हमने कानपुर में मेट्रो चलवाई, ये सरकार नवीन मार्केट में पार्किंग नहीं बनवा पाई। डबल इंजन की सरकार के इंजन आपस में टकरा रहे हैं। पा प्रत्याशी नसीम सोलंकी के समर्थन में चुनावी सभा हुई। इसमें सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा और दावा किया कि गठबंधन सभी नौ सीटें जीत रहा है। हार के डर से भाजपा ने चुनाव की तिथि बढ़वाई है। लेकिन जनता 13 को होने वाले चुनाव का हिसाब 20 नवंबर के चुनाव में लेगी। अयोध्या में दोबारा हार से बचने के लिए चुनाव टाला है। भाजपा महाराष्ट्र में चुनाव हारेगी तो यूपी की कुर्सी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र कर कहा कि बुलडोजर से घर गिराने पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार पर 25 लाख जुर्माना लगाया है। दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अब बुलडोजर गैराज में खड़ा होगा। गरीबों के घर नहीं टूटेंगे।

अब खत्म होगा बुलडोजर का आतंक : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बसपा प्रमुख ने कहा- अब सरकारें जनहित व जनकल्याण का सही प्रबंधन करेंगी

लखनऊ। आरोपियों के खिलाफ राज्य सरकारों बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए निर्णय का बसपा सुप्रीमो मायावती ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि इससे बुलडोजर का छाया आतंक अब खत्म होगा। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के बुलडोजर विध्वंसों से जुड़े आज के फैसले व इससे संबंधित कड़े दिशा-निर्देशों के बाद यह उम्मीद की जानी चाहिए कि यूपी व अन्य राज्य सरकारें जनहित व जनकल्याण का सही व सुचारू रूप से प्रबंधन करेंगी और बुलडोजर का छाया आतंक अब जरूर समाप्त होगा।

माननीय सुप्रीम कोर्ट के बुलडोजर विध्वंसों से जुड़े आज के फैसले व तत्सम्बंधी कड़े दिशा-निर्देशों के बाद यह उम्मीद की जानी चाहिए कि यूपी व अन्य राज्य सरकारें जनहित व जनकल्याण का सही व सुचारू रूप से प्रबंधन करेंगी और बुलडोजर का छाया आतंक अब जरूर समाप्त होगा। वहीं आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि ये भाजपा की उत्तर प्रदेश की सरकार को जोरदार तमाचा है कि बिना दोषी सिद्ध हुए या कोर्ट के निर्णय के आप किसी का घर नहीं गिरा सकते हैं... मैं इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करता हूं।

बिहार की इज्जत को बीजेपी के सामने गिरवीं रख रहे सीएम नीतीश : राजद

» आरजेडी प्रवक्ता ने नीतीश कुमार के पीएम मोदी के पैर छूने पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। दरभंगा एम्स के शिलान्यास कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार ने पीएम मोदी के पैर छूने की कोशिश की, इससे दो दिन पहले ही उन्होंने बीजेपी के पूर्व सांसद आरके सिन्हा के पैर छूने की कोशिश की थी।

अब सीएम नीतीश के पैर छूने को लेकर भी राजद ने सवाल उठाए हैं। सीएम नीतीश कुमार के इस तरह पैर छूने को लेकर आरजेडी प्रवक्ता ऋषि मिश्रा ने कहा कि सीएम नीतीश आप बिहार के मुख्यमंत्री हैं। बिहार की आन बान शान हैं। बिहार की आप इज्जत हैं। आज आप पीएम मोदी के पांव छू रहे थे। कहां-कहां गिड़गिड़ाइयेगा? राजद नेता ने कहा कि दो दिन पहले नीतीश कुमार बीजेपी के एक पूर्व सांसद के पैर छू रहे थे। जेडीयू को नीतीश ने बीजेपी के सामने गिरवी रख दिया है, लेकिन बिहार की इज्जत को बीजेपी के सामने नीतीश गिरवी मत रखिये।

वहीं बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर अजय आलोक ने इस मामले पर कहा कि सीएम नीतीश पीएम मोदी की इज्जत करते हैं। उनका सम्मान करते हैं। मीडिया को फालतू जगह कैमरा नहीं चमकाना चाहिए। बिहार विधानसभा उपचुनाव पर अजय आलोक बोले कि सभी चारों सीट उपचुनाव में एनडीए जीतेगा। एनडीए मॉडल पर वोटिंग हो रही है। जनता हमारे साथ है।

पहले मोदी जी और अब बिहार सरकार ठग रही है : तेजस्वी

जपफरपुर। जनता को पहले भी ठगा गया था और अब फिर से ठगा जा रहा है। नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता को पहले पीएम मोदी जी ठग रहे थे और अब बिहार की सरकार ठगने का काम कर रही है। हम लोगों से अपील करने आए हैं कि सब लोग एक हो जाय तो हम जीत दर्ज कर सकेंगे। पीएम मोदी ने पहले देश में नोटबंदी लाकर देश को बर्बाद किया था। इससे किसको क्या फायदा हुआ यह सभी जानते हैं। सरकार खुद नोटबंदी करके फंस गई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब वो फिर से लोगो को गुमराह कर रहे है। बिहार सरकार भी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही है। अब तो स्मार्ट मीटर लगाकर लोगों को टारगेट किया जा रहा है। इसके साथ सभी सरकारी कार्यालय में लूट और भ्रष्टाचार मचा हुआ है। इसमें सरकार को कोई भी मतलब नहीं है। नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार और अधिकारियों पर चोट करते हुए कहा कि यह लोग भी मजबूर हैं अपने साहब के आदेश के पालन करने के लिए। जब भी कुछ अच्छा करना चाहते हैं बस ऊपर से बड़े साहब का कॉल आ जाता है। बेचारे करें तो क्या करें। इसलिए कहते हैं कि अगर जीतना है तो एक होना ही होगा और अगर एक नहीं होंगें तो कभी जीत नहीं सकते हैं। इसलिए अब अपील करने आया हूं कि आप सब लोग एक नहीं होंगे तो परेशानी होगी और कभी जीत नहीं सकते हैं। हमारे पीएम मोदी और भाजपा वाले धर्म और जाति की राजनीति करते हैं। तोड़ने फोड़ने और अलग रखने की बात करते हैं। इनके मंसूबों को सफल नहीं होने देना है।

बुधनी में भाजपा ने मतदाताओं को डराया-धमकाया : कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» घंटी बजाते हुए चुनाव आयोग पहुंचे कांग्रेसी

» मतदान में धांधली की शिकायत की

भोपाल। कांग्रेस ने विजयपुर एवं बुधनी विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को हुए मतदान में धांधली का आरोप लगाया है। अनियमितताएं एवं धांधली की शिकायत को लेकर कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल घंटी बजाते हुए बुधवार दोपहर भोपाल स्थित निर्वाचन आयोग के कार्यालय पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस नेताओं का कहना है। बुधनी विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी लाडली बहना योजना का पैसा बंद कर देने के नाम पर मतदाताओं को डरा रही है।

वोट डालने जाने वाली महिलाओं के नाम नोट किए जा रहे हैं और बीजेपी को ही वोट डालने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से दबाव डाला गया। विजयपुर सीट पर भी जबरन गिरफ्तारी और मारपीट के आरोप वाले वीडियो भी सीईओ को सौंपे गए। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि चुनाव में गुंडागर्दी और धांधली की शिकायत आयोग से की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए घंटी बजाते हुए आयोग के अधिकारियों को जगाने की कोशिश की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से की गई शिकायत में कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा है कि विजयपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार मुकेश मल्होत्रा को अनावश्यक गिरफ्तार किया गया। इस क्षेत्र में मतदान में भारी अनियमितताएं और धांधली हुई। मतदान से एक दिन पहले मल्होत्रा के 20 से 25 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने जबरन गिरफ्तार किया और मताधिकार से वंचित किया।

बीजेपी ने 50 विधायकों को दिया 50 50 करोड़ का ऑफर : सिद्धारमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा ने उनकी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए 50 कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की थी।

उन्होंने आगे दावा किया कि कांग्रेस के किसी भी विधायक द्वारा भाजपा के 50 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पर सहमति जताने के बाद भाजपा ने उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का सहारा लिया। सिद्धारमैया ने कथित फंड को रिश्वत का पैसा बताते हुए पूछा कि उनके पास इतना पैसा कहां से आया? क्या पूर्व मुख्यमंत्रियों बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई, विपक्ष के नेता आर अशोक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने पैसे छापे थे? मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उन्होंने करोड़ों रुपये कमाए हैं।

यूपी उपचुनाव : नतीजे देंगे 2027 का तनाव!

» सपा-भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर » एक-एक वोट की हो रही है माथा-पच्ची

» सपा के पोस्टर में निशाने पर बीजेपी

» कांग्रेस व बसपा की भी तैयारी जोरदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में उपचुनाव 20 नवम्बर को होने हैं। इसी को लेकर राज्य के सभी दल पूरी तैयारी में जुट गए हैं। हालांकि मुख्य मुकाबला सत्ता में बैठी भाजपा व विपक्ष की पार्टी सपा में हैं। दोनों के बीच एक दूसरे पर वार-पलटवार जारी हैं। दोनों ही दल जहां एकदूसरे पर जुबानी हमला तो कर ही रहें है वे पोस्टरों के जरिये भी एक दूसरे को घेर रहे हैं। सपा व बीजेपी दोनो पार्टियां पूरे-पूरे 9 सीटें जीतने का दवा कर रहीं हैं। यह तो चुनावी नतीजे बताएंगे पर ये चुनाव दोनों के लिए नाक का सवाल है। नतीते किसको सुकून देते हैं किसको तनाव आने वाला समय बताया गया।

इस उपचुनाव को वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिटमस टेस्ट के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस के मैदान से बाहर होने से अब यह सीधे सपा-भाजपा के दिग्गजों की प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। यही वजह है कि सियासी हवा का रुख अपने पक्ष में मोड़ने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव तक मैदान में डटे हैं। वे नफा-नुकसान को ध्यान में रखकर सियासी तीर चला रहे हैं। उपचुनाव वाली सीटों में गाज़ियाबाद, खैर और फूलपुर पर भाजपा काबिज थी जबकि मीरापुर सीट पहले सपा के साथ रही रालोद ने जीती थी। अब रालोद भी भाजपा के साथ है। इसी तरह मझवां सीट निषाद पार्टी के पास थी, पर इस बार यहां भाजपा ने पूर्व विधायक को मैदान में उतारा है। जिन नौ सीटों पर 20 नवंबर को मतदान है, उसमें ज्यादातर सीटों पर भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला है। कुछ सीटों पर बसपा मुकाबले को त्रिकोणीय बना रही है।

मतदाताओं का रुझान तय करेंगे चुनाव

यह अलग बात है कि उपचुनाव के परिणाम से सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन वर्ष 2027 के चुनाव को लेकर मतदाताओं का रुझान जरूर तय करेगा। यही वजह है कि भाजपा और सपा ने सीटों की स्थिति के आधार पर प्रभारी और सह प्रभारी तय किए हैं। संबंधित नेता अपने प्रभार वाली सीट पर न सिर्फ जनसभा कर रहे हैं, बल्कि गांव-गांव में पसीना बहा रहे हैं।

सपा के एजेंडे में विकास नहीं : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास नहीं था। विकास उनके परिवार का हो, बस यही प्रयास रहता है। मुख्यमंत्री मझवां विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी शुचिस्मिता मौर्य के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रयागराज में फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि सात साल पहले प्रयागराज ही नहीं, पूरा यूपी अपराधियों की अराजकता और गुंडागर्दी के लिए जाना जाता था। यहां बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। अयोध्या, कन्नौज, हरदोई, लखनऊ में क्या हुआ, यह सबने देखा है। लखनऊ में सरेआम बेटी से छेड़छाड़ करने वालों पर कार्रवाई हुई तो सपाई लाल-पीले हो गए। हमने साफ कर दिया है कि बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करोगे तो जहन्नुम नसीब होगा।

सीएम अंग्रेजों से सीखकर आए नारा : अखिलेश

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि वो लोगों को जगह-जगह जाकर बता रहे हैं कि बंटोगे तो कटोगे, वो ये नारा अंग्रेजों से सीखकर आए हैं डिवाइड एंड रूल वाले लोग हैं। ये उन्हीं अंग्रेजों के वचन वंशी, विचार वंशी हैं, भाजपा वाले डर के व्यापारी है. भय का कारोबार कर रहे हैं पहले भी ये मुखबिरी करते थे आज भी ये चिल्ला-चिल्ला के मुखबिर बन गए है। वस्त्र से कोई संत नही बन जाता अपने विचारों और वचन से संत होता है. ये लोग जितना चुनाव टालेंगे उतना बुरा हारेंगे।

करहल से जुड़ी पूरे सैफई परिवार की साख

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह चुनाव इसलिए भी सियासी दिग्गजों की अग्निपरीक्षा है क्योंकि इस परिणाम का असर 2027 के टिकट बंटवारे पर भी पड़ेगा। स्थानीय दिग्गजों के साथ ही राज्य स्तरीय नेतृत्व क्षमता का दंभ भरने वालों का भी कद तय होगा। इसका मनोबल पर भी असर पड़ेगा। सीटों की स्थिति देखें तो करहल सीट पर सिर्फ अखिलेश यादव ही नहीं, पूरे सैफई परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर है। सियासी जानकारों का कहना है कि करहल में सपा का वोटबैंक घटता है और भाजपा बढ़त हासिल करती है तो इसका बड़ा संदेश पूरे देश में जाएगा। यही वजह है कि यहां कई मंत्रियों के साथ ही सीएम योगी भी जनसभा कर चुके हैं।

शिवपाल, जयंत व स्वतंत्रदेव की प्रतिष्ठा पर भी नजर

कटेहरी से यहां के सांसद लालजी वर्मा की प्रतिष्ठा दांव पर है। सपा से यहां के प्रभारी बनाए गए शिवपाल सिंह यादव और भाजपा की ओर से उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद के सियासी कद की भी यहां परीक्षा है। मझवां में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और उनके पति आशीष पटेल की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। मीरापुर सीट से रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह

की प्रतिष्ठा दांव पर है। कुर्मी बहुल फूलपुर में असली परीक्षा एमएसएमई मंत्री राकेश सचान और सपा महासचिव इंद्रजीत सरोज की है। यह सीट उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद की प्रतिष्ठा से भी जुड़ी हुई है। कुंदरकी की कमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और मंत्री जेपीएस राठौर को सौंपी गई है तो सपा से रामअवतार सैनी को अपनी ताकत दिखाने का मौका मिला है। सीसामऊ के परिणाम का असर भाजपा के दिग्गज मंत्री सुरेश खन्ना पर पड़ना तय है। कुछ ऐसी ही स्थित गाजियाबाद और खैर सीट की भी है।

मुस्लिम वोटों पर अखिलेश-ओवैसी फिर आमने-सामने

यूपी में विधानसभा की नौ सीटों पर चुनाव हो रहे है। समाजवादी पार्टी का कांग्रेस से गठबंधन है, पर कांग्रेस ने इस बार चुनाव न लड़ने का फ़ैसला किया है. दो साल बाद होने वाले यूपी चुनाव से पहले इस उप चुनाव को फ़ाइनल से पहले नेट प्रैक्टिस माना जा रहा है.। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी यूपी में अब तक कोई बड़ा उलट फेर नहीं कर पाई है, लोकसभा चुनाव में यूपी से उनकी पार्टी दूर रही। ओवैसी ने ज़रूर कुछ सीटों पर चुनाव प्रचार किया था। लेकिन इस बार उनकी पार्टी पूरे दम ख़म से तीन सीटों पर उप चुनाव लड़ रही है। यूपी की इन मुस्लिम आबादी वाली सीटों पर ओवैसी की पार्टी किस्मत आज़मा रही है। एआईएमआईएम के यूपी अध्यक्ष शौक़त अली बताते हैं कि सब कुछ ठीक रहा तो दो सीटों पर बीजेपी से मुक़ाबला उनकी ही पार्टी करेगी, इसी फ़ीडबैक के आधार पर ओवैसी ने रैली करने का फ़ैसला किया है, इन दोनों सीटों

पर मुस्लिम वोटरों का दबदबा है। अखिलेश यादव तो असदुद्दीन ओवैसी का नाम सार्वजनिक रूप से लेने से भी बचते हैं। दोनों का रिश्ता शुरू से ही छत्तीस का रहा है। ये बात उन दिनों की है जब अखिलेश यादव यूपी के मुख्यमंत्री थे, उनके राज में ओवैसी को कभी सभा करने की इजाज़त तक नहीं मिली। क़ानून व्यवस्था ख़राब हो जाने के नाम पर उन्हें हर बार रोका गया, ओवैसी भी कहते रहे हैं कि समाजवादी पार्टी में सारी मलाई यादव बिरादरी के लोग खाते हैं, मुसलमानों का काम तो सिर्फ़ दरी बिछाने का रहा है।

सपा का नारा- अखिलेश का फियर, भाजपा का अंत नियर

उत्तर प्रदेश में नौ सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर इस बार पार्टियों के बीच पोस्टर वार जारी है। अब अमेठी में सपा की तरफ से पोस्टर लगाया गया है। इसमें लिखा कि 27 के सत्ताधीश अखिलेश यादव। जितना चुनाव टालोगे, उतना बुरा हारोगे। यह पोस्टर समाजवादी पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष की ओर लगाया गया है। समाजवादी पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष गुंजन सिंह ने अंबेडकर तिराहे पर यह पोस्टर लगाया है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को 27 का सत्ताधीश बताया। पोस्टर में लिखा है कि अखिलेश का फियर है, भाजपा का अंत नियर है। इसके अलावा जितना चुनाव टालोगे, उतना बुरा हारोगे के नारे को देहराया गया है। पोस्टर में अखिलेश यादव को 27 का सत्ताधीश बताया। इसको लेकर सपा महिला जिलाध्यक्ष ने कहा कि 2027 में अखिलेश यादव सीएम बनेंगे। क्योंकि, उनके पास मैन पावर है। जबकि सीएम योगी के पास सिर्फ झूठ बोलने और बुलडोजर की पावर है। सपा के कार्यकर्ता इस बार पूरी मेहनत करके अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे। भाजपा प्रत्याशियों की जमानत जब्त कराने का काम करेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सुप्रीम कोर्ट का मानवीय हितवाला फैसला!

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला दिया है जो मानवीय हित वाला है। शीर्ष अदालत ने महिलाओं व बच्चों के दर्द को समझते हुए एक अच्छा निर्णय दिया। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों खासकर यूपी सरकार द्वारा की जा रही बुलडोजर एक्शन पर नाराजगी दिखाते हुए केंद्र व राज्य सरकारों को आइना दिखाते हुए सख्त लहजे में कहा कि सरकारें जज का काम नहीं कर सकती हैं। कुल मिलाकर यह एक अच्छा निर्णय है ये मानवीय हित में भी उम्दा है। वहीं इस फैसले का पूरे देश में स्वागत हो रहा हैं। न्यायमूर्ति गवई ने फैसला सुनाते हुए कहा कि महिलाएं और बच्चे रातभर सड़कों पर रहें, यह अच्छी बात नहीं है, पीठ ने निर्देश दिया कि कारण बताओ नोटिस दिए बिना कोई तोड़फोड़ नहीं की जाए और नोटिस जारी किए जाने के 15 दिनों के भीतर भी कोई तोड़फोड़ नहीं की जाए, पीठ ने निर्देश दिया कि ढहाने की कार्यवाही की वीडियोग्राफी कराई जाए।

पीठ ने यह स्पष्ट किया कि यदि सार्वजनिक भूमि पर अनधिकृत निर्माण हो या अदालत द्वारा विध्वंस का आदेश दिया गया हो तो वहां उसके निर्देश लागू नहीं होंगे, इसने कहा कि संविधान और आपराधिक कानून के आलोक में अभियुक्तों और दोषियों को कुछ अधिकार और सुरक्षा उपाय प्राप्त हैं, उच्चतम न्यायालय ने देश में संपत्तियों को ढहाने के लिए दिशा-निर्देश तय करने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर यह व्यवस्था दी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल में चलन में आए 'बुलडोजर न्याय पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संपत्तियों को ध्वस्त करने के संबंध में बुधवार को अखिल भारतीय स्तर पर दिशानिर्देश जारी किए और कहा कि कार्यपालक अधिकारी न्यायाधीश नहीं बन सकते, आरोपी को दोषी करार नहीं दे सकते और उसका घर नहीं गिरा सकते. न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि लोगों के घर सिर्फ इसलिए ध्वस्त कर दिए जाएं कि वे आरोपी या दोषी हैं, तो यह पूरी तरह असंवैधानिक होगा। बुलडोज़र पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर धर्मगुरु ने कहा कि हम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं, कोर्ट के इस फैसले से आज तमाम लोग चैन की नींद सो पाएंगे, उन्होंने कहा कि किसका घर वैध है और किसका अवैध, ये तय करना कोर्ट का काम है, ना कि शासन प्रशासन का। उन्होंने कहा कि यूं तो बुलडोजर की कार्रवाई सब पर हो रही थी, लेकिन इसका ज़्यादा नुकसान मुस्लिम समाज का हो रहा था। कुल मिलाकर ये ये फैसला मानवीय हित का है। इस तरह के फैसलों से उन राजनीतिक दलों को भी आइना दिखाने की कोशिश हुई जो वोट बैंक खुश करने चाहत में संविधान को नजर अंदाज करने की मंशा रखते हैं अब ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए की सरकारें मनमानी नहीं करेंगी।

“ दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों खासकर यूपी सरकार द्वारा की जा रही बुलडोजर एक्शन पर नाराजगी दिखाते हुए केंद्र व राज्य सरकारों को आइना दिखाते हुए सख्त लहजे में कहा कि सरकारें जज का काम नहीं कर सकती हैं। कुल मिलाकर यह एक अच्छा निर्णय है ये मानवीय हित में भी उम्दा है। वहीं इस फैसले का पूरे देश में स्वागत हो रहा हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीन के विश्वासघात ने दिए थे गहरे जख्म

कृष्ण प्रताप सिंह

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अपने जीवन के आठ साल, ग्यारह महीने और सात दिन अंग्रेजों की जेलों के बिताने वाले पं. जवाहरलाल नेहरू के बारे में जब भी चर्चा हो, यह जरूर कहा जाता है कि स्वतंत्रता के बाद वे 16 साल प्रधानमंत्री रहे और 'आधुनिक भारत के निर्माता' कहलाये। लेकिन उनका मुश्किलों भरा आखिरी समय कैसे बीता, खासकर 1962 के चीनी हमले के उपरांत की असहज स्थिति में, हम कम जानते हैं। निस्संदेह, 27 मई, 1964 को निधन से पहले उन्होंने कई तकलीफों का सामना किया। बता दें कि पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्म 14 नवम्बर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। अलबत्ता, कई लेखों में विवरण मिलता है कि '1962 में चीन से हुई लड़ाई ने उनको तोड़कर रख दिया था और उसके सदमे से वे कभी उबर नहीं पाये।' परिणाम यह हुआ कि 'उनकी पुरानी शारीरिक ताकत, बौद्धिक कौशल और नैतिक चमक बीते दिनों की बात हो गई।

उनकी चाल में जो तेजी हुआ करती थी, वह भी लुप्त हो गई।' बताते हैं कि साल 1964 आते-आते उनकी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं और गम्भीर हो गईं। इसके बावजूद वे भुवनेश्वर में हो रहे कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने गये। सम्मेलन के कार्यक्रम में आठ जनवरी, 1964 को उन्हें बोलना था। लेकिन इसके लिए पुकारे जाने पर वे उठे तो डगमगाकर सामने की तरफ गिर पड़े। तब वहां उपस्थित उनकी पुत्री इंदिरा गांधी ने सम्मेलन के स्वयंसेवकों व नेताओं के सहयोग से उन्हें उठाया और संभाला। थोड़ी ही देर बाद डॉक्टरों ने जांच की तो पाया कि उनके शरीर का बायां हिस्सा पक्षाघात का शिकार हो गया है। फिर तो गहरी चिन्ता के बीच चिकित्सा के लिए उन्हें भुवनेश्वर स्थित राजभवन ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों की भरसक कोशिशों के बावजूद उन्हें इतना स्वास्थ्य लाभ नहीं हो सका कि वे अपना स्थगित भाषण देने दोबारा सम्मेलन में जा सकें। बारह जनवरी को वे नई दिल्ली लौट आये तो डॉक्टरों ने उनसे कहा कि बेहतर होगा कि वे दोपहर में भी थोड़ी देर सोने की आदत डाल लें। आम तौर पर वे रोजाना 17 घंटे काम करते थे।

दोपहर में सोने के लिए उन्हें इनमें पांच घंटों की कटौती करनी पड़ी। उन्हें इसका लाभ भी मिला। फिर 26 जनवरी तक उनका स्वास्थ्य इतना सुधर गया कि वे गणतंत्र दिवस समारोह में आराम से भाग ले पाये। लेकिन जल्दी ही उनकी

शक्ति फिर क्षीण होने लगी, जिसके चलते फरवरी में आयोजित संसद के उस साल के पहले सत्र में वे बैठे-बैठे ही भाषण देने को विवश हुए। फिर भी उन्होंने आत्मविश्वास नहीं खोया और गर्मियों तक इतनी शक्ति संचित कर ली कि किसी का सहारा लिये बिना सामान्य दिनचर्या निपटा सकें। यह उनका आत्मविश्वास ही था कि अपने निधन से महज पांच दिन पहले 22 मई को एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के बार-बार 'नेहरू के बाद कौन?' पूछने पर उन्होंने उन्हें झिड़कते हुए से कह दिया कि 'मैं इतनी जल्दी मरने वाला नहीं हूं।' लेकिन दबे पांव आई मौत ने उनके इस दावे को गलत सिद्ध करके ही दम लिया। उक्त संवाददाता सम्मेलन के अगले दिन वे बेटी इंदिरा के साथ छुट्टी मनाने देहरादून चले गये और 26 मई को लौटे तो जरूरी कामकाज निपटाकर सो गये। लेकिन सुबह आंखें खुलीं तो पाया कि उनकी पीठ में बहुत दर्द है। कुछ देर बाद उन्होंने इस बाबत एक सेवक को बताया। उससे सूचना पाकर डॉक्टर उनके पास पहुंचे तो उनकी हालत गम्भीर हो गई थी। उनका अपने पर नियंत्रण कम होता जा रहा था। जब तक डॉक्टर कोई उपचार करते, वे बेहोश हो गये। बाद में पता चला कि उनकी बड़ी धमनी फट गई है और प्राणरक्षा के लिए उन्हें फौरन खून चढ़ाना पड़ेगा। लेकिन जब तक खून चढ़ाया जाता, वे कोमा में चले गये। कुछ रिपोर्टों के अनुसार इसी बीच उन्हें एक और पक्षाघात हुआ, जिसके बाद हृदयाघात से भी गुजरना पड़ा। इसके बाद उन्हें होश में लाने का कोई भी चिकित्सीय उपाय कारगर नहीं सिद्ध हुआ और कोमा में ही दोपहर बाद उन्होंने अंतिम सांस ले ली।

आकाशवाणी ने दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर देश को उनके निधन की खबर दी तो पूरे देश में शोक की लहर छा गई। अवध के एक लोककवि ने इसे इस रूप में याद किया- मई माह तारीख सताइस सन चौसठ कै काल, दिनवां बुद्धवार कै झुकति रही दुपहरिया, डगरिया नेहरू स्वर्ग की धरे। पं. जवाहरलाल नेहरू की अन्त्येष्टि 29 मई को हिन्दू रीति से सम्पन्न की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और 'द लास्ट पोस्ट' के बिगुलवादन के बीच उनके नाती संजय गांधी ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के तेरह दिन बाद उनकी अस्थियों को संगम में प्रवाहित करने के लिए एक स्पेशल ट्रेन से इलाहाबाद ले जाया गया। बाद में उनकी वसीयत के अनुसार उनकी अस्थियों को भारतीय वायुसेना के विमानों से देश के सभी राज्यों में खेतों में गिराया गया।

दिखावे वाले हाथी दांत सरीखे स्मॉग टॉवर्स

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

दिल्ली सरकार के विंटर एक्शन प्लान्स में 2021 में स्मॉग टावर्स लगाने के बाद से 2022, 2023 और 2024 में इन टॉवर्स पर चुप्पी रही है, जो स्वाभाविक ही था। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 2021 में कनाट प्लेस और आनंद विहार में स्मॉग टॉवर्स का उद्घाटन किया गया था, और यह दो साल का पायलट प्रोजेक्ट था। चूंकि मामला अभी भी उच्चतम न्यायालय में लंबित है, इस पर अंतिम निर्देश मिलने के बाद ही यह तय होगा कि दिल्ली में अन्य स्थानों पर भी स्मॉग टॉवर्स लगाए जाएंगे या नहीं।

बीते साल उच्चतम न्यायालय ने यह जानकारी मिलने पर कि दिल्ली के कनाट प्लेस में स्थित स्मॉग टॉवर बंद पड़ा है, तत्काल उसे चालू करने का आदेश दिया। अदालत ने पूछा कि गंभीर प्रदूषण की स्थिति में स्मॉग टॉवर को असफल बताकर कैसे बंद किया जा सकता है। इसके बाद, डीपीसीसी के चेयरमैन को रियल टाइम आंकड़ों के साथ न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। इस दौरान यह भी सामने आया कि आनंद विहार का स्मॉग टॉवर भी बंद था, जो प्रदूषण से प्रभावित एक प्रमुख क्षेत्र है। अक्टूबर, 2024 में दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति और भी गंभीर हो गई है, लेकिन तात्कालिक कार्रवाई न तो न्यायालयों में हो रही है और न ही सरकारों में। दिवाली से पहले ही दिल्ली भारत का सबसे प्रदूषित शहर बन चुका है, और स्मॉग टॉवर्स महीनों से बंद हैं, जिनका मुख्य कारण संचालन और कर्मचारियों के वेतन के लिए धन की कमी है।

कनाट प्लेस में खुले में रोजगार करते श्रमिकों का कहना है कि ठंड में बढ़ते प्रदूषण के बीच बंद स्मॉग टॉवरों को फिर से चालू किया जाना चाहिए, क्योंकि पिछले साल इससे उन्हें साफ हवा मिली थी। इसी तरह, आनंद विहार में लगे केंद्र सरकार द्वारा संचालित स्मॉग टॉवर का हाल भी अच्छा नहीं है, जहां एक्यूआई 400 तक पहुंचता रहता है। दिल्ली सरकार के विंटर एक्शन प्लान्स में 2021 में स्मॉग टावर्स लगाने के बाद से 2022, 2023 और 2024 में इन टॉवर्स पर चुप्पी रही है, जो स्वाभाविक ही था। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 2021 में कनाट प्लेस और आनंद विहार में स्मॉग टॉवर्स का उद्घाटन किया गया था, और यह दो साल का पायलट प्रोजेक्ट था। चूंकि मामला अभी भी उच्चतम न्यायालय में लंबित है, इस पर अंतिम निर्देश मिलने के बाद ही यह तय होगा कि दिल्ली में अन्य स्थानों पर भी स्मॉग टॉवर्स लगाए जाएंगे या नहीं।

उच्चतम न्यायालय के आदेश पर आईआईटी मुंबई ने सीपीसीबी को स्मॉग टॉवर्स पर प्रस्ताव सौंपा था। जब यह खबर सामने आई कि आईआईटी मुंबई इस परियोजना से पीछे हटने जा रहा है, तो जस्टिस अरुण मिश्रा की बेंच ने जुलाई 2020 में भारत के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता के माध्यम से उसे चेतावनी दी कि यह कार्रवाई उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना मानी जाएगी, और इसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद, आईआईटी मुंबई ने परियोजना पर काम जारी रखा। 2023 में स्मॉग टावर्स के दो साल पूरे होने पर, आईआईटी मुंबई ने 30 सितंबर, 2023 को एक रिपोर्ट तैयार की, और पर्यावरण मंत्री के निर्देश पर यह फाइनल रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की गई।

सात नवम्बर, 2023 को उच्चतम न्यायालय ने सवाल उठाया कि स्मॉग टॉवर को असफल कैसे माना जा सकता है, जबकि दो साल के पायलट प्रोजेक्ट की रिपोर्ट में आठ महीने तक ये टॉवर बंद थे। इसके अलावा, कनाट प्लेस का स्मॉग टॉवर एक नई तकनीक पर आधारित था, जिससे अनुभव का अभाव था, और अक्टूबर 2022 तक इसके संचालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और प्रोटोकॉल भी तैयार नहीं हो पाए थे। इसी संदर्भ में, 13 नवम्बर 2021 को सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने दिल्ली सरकार से यह सवाल पूछा था कि जब दिल्ली में गैस चेम्बर जैसी स्थिति है, तो क्या स्मॉग टावर वास्तव में काम कर रहे हैं, जैसा कि सरकार दावा करती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि स्मॉग टावरों से दिल्ली में गैस चेम्बर जैसी खतरनाक स्थितियों में आम लोगों को राहत मिलती है। कोर्ट ने यह भी बार-बार कहा है कि साफ हवा में सांस लेना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। स्मॉग टॉवर से छनी हुई हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे प्रदूषक कणों की कमी के कारण स्मॉग की घातकता कम होती है, जिससे खुली हवा में व्यायाम और सैर के दौरान जोखिम घटता है, और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोग भी राहत महसूस कर सकते हैं। फिलहाल, स्मॉग टॉवरों का निर्माण और संचालन इतना महंगा है कि दिल्ली सरकार इन्हें अपने खर्चे पर चलाने से बच रही है। एक साल में इनका रखरखाव ही ढाई करोड़ रुपये तक हो सकता है। कनाट प्लेस का स्मॉग टावर 22.9 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हुआ था, और इसके रखरखाव पर पर्यावरण विभाग ने लगभग 2.6 करोड़ रुपये खर्च किए।

डीपीसीसी के अध्यक्ष ने नवंबर 2023 में यह स्वीकार किया कि स्मॉग टॉवरों से लाभ उठाने के लिए उनके बहुत पास रहना होगा, और दिल्ली में साफ हवा की आपूर्ति के लिए हजारों टॉवर लगाने होंगे। 4 नवंबर, 2023 को पर्यावरण मंत्री ने कनाट प्लेस स्मॉग टॉवर को आठ महीने से बंद रखने के लिए डीपीसीसी को जिम्मेदार ठहराया। इसी दौरान आनंद विहार का टॉवर भी बंद था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर लगे स्मॉग टॉवरों का भविष्य क्या होगा, यह सवाल उठ रहा है। इसके अलावा, फिल्टरों की सफाई करते समय प्रदूषित हवा को बाहर छोड़ा जाता है, जिससे नए प्रदूषण के क्षेत्र उत्पन्न हो सकते हैं।

पंजाब का पेरिस है कपूरथला

शहरी देशों के सुंदर शहरों को देखने के लिए अगर जेब अनुमति नहीं दे पा रही है तो देश में छुपी विदेशी जगहें जैसे शहरों की यात्रा करना बेहतर विकल्प हो सकता है। अगर स्विट्जरलैंड जैसी जगह घूमना है तो उत्तराखंड के औली की यात्रा पर जा सकते हैं, जिसे भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है। पहाड़ों के अलग अगर समुद्री नजारों का आनंद लेने के लिए मालदीव जाना चाहते हैं तो भारत के मिनी मालदीव यानी अंडमान निकोबार द्वीप समूह की सैर पर जा सकते हैं। वहीं अगर रोमांटिक फिल्मों में नजर आने वाले पेरिस शहर की खूबसूरती को पास से निहारना चाहते हैं तो भारत में भी एक ऐसी जगह है जो पेरिस दर्शन का आनंद दिला सकती है। पेरिस की सुंदर इमारतें, साफ सुथरी सड़के आपको आकर्षित करती हैं तो पंजाब की यात्रा करें। दरअसल पंजाब में पेरिस जैसा शहर है जो कि भारत का सबसे छोटा शहर भी माना जाता है। पंजाब के पेरिस नाम के इस शहर में भले ही एफिल टावर न हो लेकिन दृश्य शहर जैसे ही हैं।

पंच मंदिर

पंजाब के शहर कपूरथला में स्टेट गुरुद्वारा साहिब, मौरिश मस्जिद एवं चर्च के अलावा एक ऐसा अनोखा मंदिर स्थित है जहां पर सूर्य भगवान की प्रतिमा पर हर सुबह सूर्य की किरणें सीधी पड़ती है। इस इस मंदिर में सूर्य देव की पूजा की जाती है। इसका नाम पंच मंदिर है।

एलिसी महल

कपूरथला रजवाड़ों का शहर रहा है तो यहां कई महल मौजूद हैं। इनमे एलिसी महल ना सिर्फ खास है बल्कि इंडो-फ्रेंच कल्चर के मेल को साफ दिखाता है। 1962 में बिक्रम सिंह ने इसे तैयार करवाया था।

शहर का इतिहास और पर्यटन स्थल

इस शहर को नवाब कपूर के नाम से जाना जाता है, उन्हीं के नाम पर शहर को कपूरथला नाम दिया गया। इस शहर में रेलवे की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री मौजूद है, जहां ट्रेन के डिब्बे तैयार किए जाते हैं। वहीं कपूरथला शहर में कांजली वेटलैंड्स और शालीमार गार्डन भी प्रमुख आकर्षण के केंद्र हैं।

कैसे पहुंचे

हवाई मार्ग के जरिए कपूरथला जाने के लिए अमृतसर में स्थित राजा सांसी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरना होगा। यहां से कपूरथला लगभग 66 किमी दूर है। यहां से आगे का रास्ता बस या टैक्सी से तय कर सकते हैं। अगर आप रेल मार्ग के जरिए जाना चाहते हैं तो सबसे नजदीकी कपूरथला रेलवे स्टेशन है, जो देश के विभिन्न रेल मार्गों से जुड़ा हुआ है। दिल्ली से कपूरथला की दूरी लगभग 387 किमी है, जो 6 से 7 घंटे में आसानी से सड़क मार्ग के जरिए यहां पहुंचा जा सकता है। अगर आप कपूरथला कभी नहीं गये हैं तो एक बार जरूर जाएं।

देश का है सबसे छोटा शहर

भारत के सबसे छोटे शहर का नाम कपूरथला है। आखिरी जनगणना के अनुसार, यहां की आबादी लगभग एक लाख से भी कम है। कपूरथला पंजाब का एक शहर है, जहां दशकों पहले शाही महल और राजघरानों का राज हुआ करता था। अब इन्हीं इमारतों के शाही अंदाज को देखने के लिए दूर दराज से लोग आते हैं।

जगतजीत महल

शहर का जगतजीत पैलेस आकर्षण का केंद्र है। जगतजीत पैलेस में कभी महाराजा जगतजीत रहा करते थे। साल 1908 में तैयार किए गए जगतजीत महल को महाराजा जगजीत सिंह अपने निवास के तौर पर इस्तेमाल करते थे। इस जगह को देखकर आपको पैलेस ऑफ वर्सेलस और फाउंटेन ब्लू दिमाग में आएंगे। फ्रेंच आर्किटेक्ट एम मर्केल ने इसे महल को डिजाइन किया था। यहां लगी प्रतिमाएं, दरबार हॉल पर्यटकों को अपनी ओर खींचती हैं। हाल के दिनों में इसे सैनिक स्कूल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

स्वच्छता में अव्वल

इस शहर को पंजाब का पेरिस कहने का एक मुख्य कारण है, यहां की स्वच्छता। कपूरथला की साफ सफाई देखकर इसे पंजाब का पेरिस नाम दिया गया था।

हंसना मना है

बॉयफ्रेंड- मैं तुमसे शादी नहीं कर सकता, मेरे घर के लोग तुम्हें स्वीकार करने को तैयार नहीं है। गर्लफ्रेंड- तुम्हारे घर में कौन -कौन हैं?
बॉयफ्रेंड - एक बीवी और तीन बच्चे।

कमलेश (मित्र श्याम से)- यार मेरी पत्नी तो एकदम पागल है। हमेशा साड़ियों की ही फरमाइश करती रहती हैं। परसों एक साड़ी लाने को कह रही थी। आज सुबह फिर एक साड़ी मांग रही थी। श्याम-अजीब बात हैं। वह इतनी साड़ियों का क्या करती हैं? कमलेश- पता नहीं, मैंने कभी साड़ी लाकर तो दी नहीं।

एक लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड को फोन किया तो उसके 10 साल के भतीजे ने उठाया। लड़की-अपने अंकल को फोन दो, लड़का-वो तो बाथरूम में हैं, आपका नाम? लड़की-उनसे कहो कि उनकी जानेमन का फोन है, बच्चे ने कहा- लेकिन आंटी, मोबाइल में तो चुड़ैल लिखा हुआ है!

बीवी-अजी सुनते हो, खुशनसीब को इंग्लिस में क्या कहते हैं? पति- अनमैरिड, दे बेलन, दे चिमटा, दे फूकनी?

कहानी — शेर और सियार

एक बार सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृषभ मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

मिथुन यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे।

कर्क वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। अधीनस्थों की ओर ध्यान दें।

सिंह बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

कन्या यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें। नए अनुबंध होंगे। झंझटों में न पड़ें।

तुला वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अतः उसका परित्याग करें।

वृश्चिक दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। राजकीय काम बनेंगे।

मकर प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे।

कुम्भ व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

मीन राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें।

22 को फिर आयेंगे दुर्गा के 'करण अर्जुन'

सलमान खान ने साझा किया फिल्म का ट्रेलर, फैंस उत्साहित

शाहरुख खान और सलमान खान अभिनीत ब्लॉकबस्टर फिल्म करण अर्जुन 22 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने वाली है। जैसे-जैसे फिल्म बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है, निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इसका ट्रेलर जारी कर दिया है। सलमान खान ने हाल ही में, फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर फैंस को सरप्राइज दिया है, जिसके बाद यह इंटरनेट पर तेजी से वायरल भी हो रहा है।

बता दें कि यह फिल्म बड़े सितारों से सजी है। करण अर्जुन में सलमान और शाहरुख खान के साथ काजोल, राखी, ममता कुलकर्णी और अमरीश पुरी ने शानदार अभिनय किया था। फिल्म का निर्देशन राकेश रोशन ने किया। साल 1995 में आई इस फिल्म को पहली बार बड़े पर्दे पर लाया गया था। फिल्म में शाहरुख खान और सलमान खान को साथ में देखा गया था। फिल्म ने 76 हफ्तों तक सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन किया था। इस फिल्म में अमरीश पुरी ने विलेन की भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके किरदार का नाम दुर्जन सिंह था। फिल्म के डायलॉग और गाने फैंस ने भी पसंद किया। पुनर्जन्म और बदला लेने पर आधारित यह फिल्म दो भाइयों, करण और अर्जुन की कहानी है। जो पारिवारिक झगड़े के कारण अलग हो जाते हैं। भाग्य उन्हें उनके अगले जन्म में फिर से मिलाता है, जब वे न्याय और मुक्ति की तलाश करते हैं।

इन सितारों से सजी है फिल्म

सलमान और शाहरुख के अलावा, इस फिल्म में राखी, काजोल, ममता कुलकर्णी और अमरीश पुरी भी थे। यह दो भाइयों की कहानी है, जो अपनी मां की खातिर बदला लेने के लिए पुनर्जन्म लेते हैं। पिछले कुछ सालों में, करण अर्जुन (1995) अपने मेरे करण अर्जुन आएंगे जैसे यादगार संवादों, ये बंधन तो..., भंगड़ा पाले, राणा जी माफ करना और जाती हूं मैं जैसे गानों में राजेश रोशन के दिल को छू लेने वाले संगीत और भाईचारे की प्यारी थीम के कारण पॉप संस्कृति में छाई हुई है।

अब अक्षरा सिंह को मिली जान से मारने की धमकी

सलमान खान और शाहरुख खान के बाद अब भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह को भी रंगदारी के मामले में धमकी भरा कॉल आया है और जान से मारने की धमकी दी गई है। मामला 11 नवंबर का बताया जा रहा है, उन्हें देर रात दो बार धमकी भरे कॉल आए, जिसमें उनसे 50 लाख की मांग की गई और ये भी कहा गया कि अगर दो दिन के अंदर उन्होंने ये रकम नहीं दी तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक मिनट के अंदर उन्हें दो बार कॉल आया, पहला कॉल उन्हें 12 बजकर 20 मिनट और दूसरा कॉल 12 बजकर 21 मिनट पर आया। उनसे 50 लाख की फिरौती मांगी गई और गाली गलौज भी की गई। धमकी देने वाले ने दो दिन का समय दिया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

पटना के दानापुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है, जहां के थाना प्रभारी प्रशांत भारद्वाज ने मीडिया को इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि अक्षरा सिंह का आवेदन मिला है और जांच की जा रही है। जैसे ही जांच पूरी होगी उचित धाराओं में केस दर्ज किया जाएगा।

जैसे ही ये खबर अक्षरा के फैंस को मिली उन्होंने एक्ट्रेस की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। फैंस का कहना है कि पुलिस को जल्द से जल्द आरोपी का पता लगाकर उसे सजा देनी चाहिए। ये मामला केवल रंगदारी का है या कोई बड़ी दुश्मनी का फिलहाल पुलिस इसका पता लगा रही है।

बता दें कि पिछले कई महीनों से सलमान खान को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्हें काला हिरण केस के चलते लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से धमकी मिल रही है और इसी बीच तमाम लोग बिश्नोई के नाम की आड़ में उनसे फिरौती भी मांग रहे हैं।

हालांकि पुलिस एक-एक कर सबको गिरफ्तार कर रही है।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी मां की टिफिन सर्विस से चलता था घर : विक्रांत

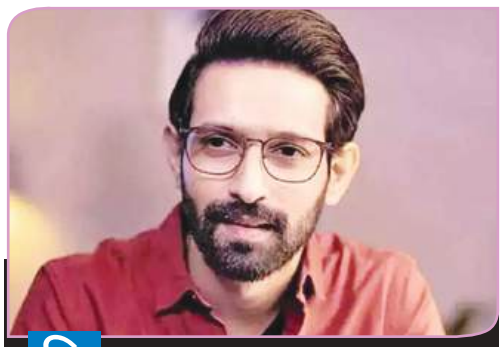

विक्रांत मैसी का बॉलीवुड करियर काफी शानदार रहा है। उन्हें विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12 फेल में देखा गया। फिल्म में उनके अभिनय की सराहना उन्हें मिली है। अभिनेता के बहुत सारे प्रशंसक हैं। हालांकि, शुरुआत से ही विक्रांत को ये उपलब्धि और प्रसिद्धी हासिल नहीं हुई, इस बात को उन्होंने खुद कहा है। विक्रांत मैसी ने बताया कि अगर आप आर्थिक रूप से सक्षम हैं। आप किसी भी परेशानी से आसानी से निकल सकते हैं, लेकिन इसका भावनात्मक प्रभाव आप पर हमेशा पड़ेगा। उनसे पूछा गया कि क्या वे अपने भूतकाल को भुलाकर आगे निकल पाए हैं, तो उन्होंने कहा कि ये एक कंडीशन है, है न। अगर आपके पास कोई परिस्थिति है, जो कई सालों से आपके साथ है तो आप उसको लेकर थोड़े असुरक्षित हो जाते हैं। उन्होंने जवाब दिया, मैं आर्थिक रूप से परेशान नहीं हूं, लेकिन कुछ भी हमेशा नहीं रहता है। मेरे माता पिता ने भी इस बात का अनुभव किया है। विक्रांत ने बताया कि वे बचपन में जुहू में रहते थे। उनकी जिंदगी एक फिल्म की कहानी की तरह है। एक पारिवारिक झगड़े के कारण उन्हें घर से निकाल दिया गया। माता-पिता को एक साल तक गोदाम में रहना पड़ा। उन्होंने कहा, आज मैं विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति में बैठा हूं और मुझे वैसा महसूस नहीं हो रहा है जैसा 20 साल पहले हुआ था, जब मैंने शुरुआत की थी। लेकिन क्या कल मेरे साथ ऐसा दोबारा नहीं हो सकता? बेशक हो सकता है! विक्रांत मैसी ने बताया कि कैसे पिता के जल्दी नौकरी छोड़ने के बाद उनकी मां ने घर संभाला। उन्होंने बताया कि उनकी मां घर से ही टिफिन सर्विस चलाती थीं। डिब्बेवाला आकर डिब्बे ले जाता था। फिर मां बच्चों को स्कूल भेजती, नाश्ता करती और फिर बिस्तर पर जाकर सो जाती।

जीवनभर अपनी आंखें नहीं बंद करतीं मछलियां, सोती भी हैं भरपूर नींद

हम यूं तो अपने आसपास की बहुत सी चीजों के बारे में जानते हैं लेकिन कुछ ऐसी दिलचस्प चीजें भी हैं, जिन्हें हम नहीं जानते हैं। ऐसी ही एक दिलचस्प जानकारी ये है कि धरती पर ऐसा भी एक जीव है, जो कभी भी आंखें बंद नहीं करता। सोते वक्त भी उसकी पलकें बंद नहीं होतीं। क्या आप जानते हैं उसे? ये जीव हमारे आसपास ही होता है। दरअसल मछलियाँ ही वो जीव हैं, जो पलकें नहीं झपकतीं। दरअसल मछलियों की पलकें नहीं होती इसलिए वे अपनी आँखें बंद नहीं कर सकतीं। उनकी नींद का पैटर्न भी हमसे अलग होता है। आपने भी सुना होगा कि मछलियां अपनी पलकें खोलकर सोती हैं। दरअसल सच्चाई ये है कि उनकी पलकें होती ही नहीं हैं। मछलियाँ सोती हैं, लेकिन उतनी गहरी नींद नहीं जितनी हम सोते हैं। वे आसपास के वातावरण के प्रति जागरूक होती हैं और खतरा महसूस होने पर तुरंत प्रतिक्रिया दे सकती हैं। दरअसल आंखों में पलकें होने और उन्हें बंद करने का मकसद यही होता है कि आंखों में नमी बनी रहे। चूंकि मछलियां पानी के अंदर होती हैं, तो उनकी आंखें नम ही रहती हैं। आँखें खुली रखने से मछलियों को अपने आस-पास के बारे में जागरूक रहने में मदद मिलती है। यह शिकारियों से बचाने और भोजन खोजने में मदद करता है। मछलियों की आंखों की संरचना भी अलग होती है। इनकी कॉर्निया अन्य जानवरों की तुलना में काफी मोटी होती है क्योंकि इन पर अंडरवॉटर प्रेशर पड़ता है और आंख के टिश्यूज़ को उससे बचाना होता है। मछलियों की आंखों को म्यूकस की एक मोटी लेयर सुरक्षित रखती है, जिसे कंजंक्टिवा कहते हैं। कुछ मछलियाँ सामाजिक होती हैं और वे एक-दूसरे से संवाद करने के लिए अपनी आँखों पर भरोसा करती हैं। आँखें खुली रखने से उन्हें एक-दूसरे के स्थान के बारे में जानने और सामाजिक बंधन बनाए रखने में मदद मिलती है। मछली की आंख की मांसपेशियां अपनी पलकें बंद करने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं होती हैं। ऐसे में उनकी आंखें बंद नहीं होतीं पर वो सोती हैं। सोते वक्त भी मछलियां स्विमिंग करती रहती हैं ताकि उनके गिल्स ऑक्सीजन ले सकें। उनकी नींद के वक्त उनके शरीर के अंग काफी स्लो हो जाते हैं। आँखें खुली रखकर सोना मछली के लिए क्रमिक रूप से फायदेमंद होता है। हालांकि सभी मछलियाँ अपनी आँखें खोलकर नहीं सोती हैं। कुछ मछलियाँ, विशेषकर जो गहरे पानी में रहती हैं, सोते समय अपनी आँखें बंद कर सकती हैं। वो बात अलग है कि इनकी पलकें ट्रांसपैरेंट होती हैं, जिनका स्लाइड होना इनके विजन को प्रभावित नहीं करता।

अजब-गजब | दिबियापुर में नाग देवता का है रहस्यमयी मंदिर

जिसने भी इस मंदिर की छत डलवाने की गलती की उसे मिली है मौत की सजा

देश में कई जगहों पर नाग देवता के मंदिर भी हैं। इनमें से एक मंदिर उत्तर प्रदेश में भी है। यह एक रहस्यमयी मंदिर है। नाग देवता का यह रहस्यमयी मंदिर औरैया जनपद के दिबियापुर थाना क्षेत्र के सेहुद ग्राम में है। इसे प्राचीन धौरा नाग मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। बताया जाता है कि यह मंदिर 11 वीं सदी में मोहम्मद गजनवी के आक्रमण के समय मंदिरों के तोड़-फोड़ का प्रतीक है। नागपंचमी पर इस मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाती है। नागपंचमी के दिन गांव में मेला लगता है और मेले में दंगल का भी आयोजन होता है।

इस मंदिर में आज भी सदियों पुरानी खंडित मूर्तियां पड़ी हैं। ये मूर्तियां मंदिर में प्रवेश करते ही नजर आने लगती हैं। यह नाग मंदिर अपनी अनोखी मान्यता के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर पर छत का निर्माण नहीं हुआ है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस मंदिर में छत का निर्माण कराने की कोशिश करता है, उसकी असमय मौत हो जाती है।

यहां जब बाहर के लोग दर्शन करने आते हैं तो लोग यह देखकर हैरान रह जाते हैं कि इस प्राचीन मंदिर की छत नहीं है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मंदिर में जिसने भी छत का निर्माण कराने का प्रयास किया, उसकी या उसके परिवार के किसी सदस्य की असमय मौत हो गई। वहीं छत भी अपने आप नीचे गिर जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसी गांव के एक इंजीनियर ने एक बार मंदिर में छत बनवाने का प्रयास किया था। कुछ समय बाद उसके दोनों बच्चों का निधन हो गया और सुबह छत भी गिरी हुई मिली। तब से आज तक कोई भी इस मंदिर में छत डलवाने की हिम्मत भी नहीं करता है। वहीं यह मंदिर हमेशा खुला रहता है और सदियों पुरानी मूर्तियां इस मंदिर में ऐसे ही पड़ी रहती हैं लेकिन कोई भी शख्स इस मंदिर से कोई चीज लेकर नहीं जा सकता। जिसने भी मंदिर की कोई चीज साथ ले जाने की कोशिश तो तो उसके सामने ऐसे हालात पैदा हो गए कि उसे वापस वो चीज रखने के लिए आना पड़ा। 1957 में इटावा के तत्कालीन जिलाधिकारी इस मंदिर से एक मूर्ति ले गए थे, लेकिन कुछ समय बाद उनको वो मूर्ति वापस रखने के लिए आना पड़ा था।

एमवीए में सीएम फेस को लेकर कोई मतभेद नहीं : उद्धव ठाकरे

» बोले- थोड़ी खींचतान तो आपस में चलती रहती है

» पीएम मोदी को हमारी चिंता करने की कोई जरूरत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में आए दिन नए मुद्दे सामने आ रहे हैं। इसमें महायुति और महाविकास आघाड़ी मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर भी एक-दूसरे को खूब घेरने में लगे हुए हैं। ऐसे में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि ऐसा कोई फॉर्मूला नहीं है, लेकिन जिसे ज्यादा सीटें मिलेंगी, वही एमवीए में सीएम बनेगा।

उद्धव ने कहा कि एमवीए में सीएम फेस को लेकर कोई मतभेद नहीं है। हमारे तीनों घटक दलों में कोई विवाद नहीं है। शरद पवार ने कहा है कि जिसकी ज्यादा सीटें आएंगी, वहीं सीएम बनेगा। हालांकि, अभी कोई फॉर्मूला तय नहीं हुआ है। ठाकरे ने सत्ता पक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या महायुति बता सकती है कि उनके पास जो गद्दारों की फौज है, उनमें से कौन सीएम बनेगा? पहले आपस में तय कर लो, फिर हमारे तरफ देखो। हमारे अलायंस में कौन सीएम बनेगा, ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उद्धव ने कहा कि एमवीए की ही बात नहीं है। जब भी कोई अलायंस बनता है तो हर दल ज्यादा से ज्यादा सीटें चाहता है, जिसके सकरात्मक और नकरात्मक दोनों पहलू होते हैं। हम अलायंस इसलिए करते हैं, ताकि सब मिलकर सत्ता में आएं। सीटों को लेकर थोड़ा बहुत खींचतान तो होती है, लेकिन अलायंस तो नहीं टूटा। उद्धव ने कहा कि जैसा बीजेपी ने 2014 और 2019 में हमारे साथ किया। हम 2019 से पहले तक कांग्रेस और एनसीपी के खिलाफ ही चुनाव लड़ते आए हैं।

मोदी युग अब खात्मे की ओर : शरद पवार

पीएम मोदी के प्रहारों को अपने लिए फायदेमंद होने का कटाक्ष करते हुए शरद पवार आत्मविश्वास जताते हैं कि महाराष्ट्र चुनाव का परिणाम संदेश देगा कि मोदी युग समाप्ति की ओर है। प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में प्रदेश की राजनीति की धुरी बने पवार का दावा है कि अंडरकरंट एमवीए के पक्ष में है, जिसका मुकाबला महायुति पैसे से करना चाहता है। उधर राकांपा (शरदचंद्र पवार) अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी के पूर्व सहयोगी दिलीप वलसे पाटिल ने उन्हें धोखा दिया। पवार 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले जिले के अंबेगांव विधानसभा क्षेत्र में राकांपा के उम्मीदवार देवदत्त निकम के समर्थन में एक रैली में बोल रहे थे। प्रतिद्वंद्वी राकांपा ने इस सीट से सात बार के विधायक वलसे पाटिल को मैदान में उतारा है। शरद पवार ने कहा, ''वह कहते रहे कि साहेब (शरद पवार) मेरे बारे में (कुछ भी नकारात्मक) बात नहीं करेंगे, लेकिन मेरे पास कहने के लिए क्या बचा है? पिछले साल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के बाद वलसे पाटिल अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट में शामिल हो गए और भाजपा-शिवसेना-राकांपा सरकार में मंत्री बने। शरद पवार ने कहा, ''जिन्हें मैंने पद, शक्ति, अधिकार और प्रतिष्ठा दी है, उनसे मैं कुछ नहीं चाहता। आज कई लोग उनसे परेशान हैं।

सचिन पायलट ने 'पढ़ोगे तो बढ़ोगे' का दिया नारा

» कांग्रेस नेता ने सीएम योगी के बयान पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के चुनावी मौसम में नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले लगातार जारी है। जिसके चलते प्रदेश का सियासी तापमान भी काफी बढ़ गया है। नए-नए नारों को लेकर नेताओं द्वारा एक-दूसरे को घेरा जा रहा है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट भी महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। इस दौरान सचिन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के डंके की चोट पर वक्फ कानून में संशोधन करने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कई नेता और राजनीतिक पार्टियां विधेयक के प्रावधानों से सहमत नहीं है। इस लोकसभा में बीजेपी मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकती।

वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे के नारे पर टिप्पणी करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि उन्हें पढ़ोगे तो बढ़ोगे का नारा देना चाहिए। पायलट ने कहा कि संशोधन संसद का काम है। पहले भी बिल लाए। वापस लेना पड़ा, संशोधन करना पड़ा। जेपीसी काम नहीं कर पा रही है। संसद में कुछ काम कराना कोई कुश्ती नहीं है। वह चर्चा कराने के बाद बहुमत के आंकड़े के आधार पर होता है। जो प्रावधान वह लेकर आए हैं, उसमें बहुत सारे नेता और पार्टियां सहमत नहीं है। उसपर चर्चा करना पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकतंत्र का मतलब यह नहीं है कि आप जबरन फोर्स करें। संवाद करें और चर्चा करें और सार्थक रूप से कुछ निकलकर आ सकता है। मनमाने तरीके से जो पिछले लोकसभा में करते थे। इस लोकसभा में जो गठन हुआ है उसमें उन्हें बहुमत नहीं हैं। पायलट ने कहा कि जो ये सवाल उठाते हैं उन्हें समझना होगा कि खरगे दलित और गरीब परिवार से आते हैं।

भारत ने टी-20 सीरीज में ली 2-1 की बढ़त

» तीसरे मैच में अफ्रीका को 11 रनों से हराया

» एक साल में आठ बार 200 का आंकड़ा पार करने वाली बनी पहली भारतीय टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सेंचुरियन। भारत ने तीसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 11 रनों से हराकर चार मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली। सेंचुरियन में खेले गए मुकाबले में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने आखिरी ओवर में मार्को यानसेन का विकेट चटकाकर भारत की वापसी कराई। बता दें कि इस मैच में मेजबानों ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। तिलक वर्मा की 107* और अभिषेक शर्मा की 50 रनों की पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में छह विकेट 219 रन बनाए।

जवाब में अफ्रीका 20 ओवर में सात विकेट पर 208 रन ही बना सकी। भारत ने इस मैच में 200 से ज्यादा का स्कोर बनाकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस साल यह आठवीं बार है जब टीम इंडिया ने टी20 में 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। भारतीय टीम एक कैलेंडर वर्ष में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सर्वाधिक बार 200+ स्कोर करने वाली पहली टीम बन गई है। उसने इस मामले में बर्मिंघम बियर्स और जापान को पीछे छोड़ा।

भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज बने अर्शदीप

अर्शदीप सिंह ने तीसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन विकेट लेने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। अब अर्शदीप के नाम 92 विकेट हो गए हैं और उन्होंने जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ दिया है।

तिलक वर्मा ने पहला शतक जड़ हासिल किया खास मुकाम

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी तीसरे टी20 मैच में तिलक वर्मा का बल्ला जमकर गरजा। और करियर का पहला शतक ठोक दिया। उन्होंने 56 गेंदों का सामना किया और 107* रन बनाए। इसी के साथ उन्होंने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक बनाने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय बन गए। उन्होंने यह कारनामा 22 साल पांच दिन की उम्र में किया। इस मामले में शीर्ष पर यशस्वी जायसवाल हैं। उन्होंने 21 साल 279 दिन की उम्र में नेपाल के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी।

360 दिन बाद मैदान पर उतरे मोहम्मद शमी

इंदौर। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 360 दिन के करीब प्रतिस्पर्धी मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरे। मध्य प्रदेश और बंगाल के बीच बुधवार से रणजी ट्रॉफी का ग्रुप सी मुकाबला शुरू हुआ। बंगाल के लिए खेलने वाले शमी एक वर्ष बाद मैदान पर वापसी कर रहे थे, लेकिन शुरुआती दिन वह विकेट नहीं ले सके। मध्य प्रदेश के खिलाफ उन्होंने पहले दिन 10 ओवर फेंके और 34 रन दिए। शमी ने एक मेडन फेंका और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। शमी पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्वकप के फाइनल के बाद पहली बार मैदान पर उतरे थे। शमी विश्व कप के दौरान चोटिल हो गए थे और उन्हें इस साल के शुरुआत में टखने की सर्जरी करानी पड़ी थी।

झूठा प्रचार कर प्रदेश की छवि खराब कर रही बीजेपी : हेमंत सोरेन

» सीएम बोले- शिकायत के बाद भी चुनाव आयोग ने नहीं लिया संज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में पहले चरण का मतदान हो चुका है। अभी एक चरण का मतदान और बाकी है। यही कारण है कि नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले अभी भी जारी है। इस बीच सीएम हेमंत सोरेन ने भाजपा पर प्रदेश की छवि खराब करने का आरोप लगाया है। सीएम सोरेन ने कहा कि बीजेपी झूठे प्रचार के माध्यम से उनकी और राज्य की छवि खराब कर रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि बीजेपी राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत गठबंधन सरकार के खिलाफ प्रचार करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है और उसने 95,000 व्हाट्सएप ग्रूप बनाए हैं। बीजेपी पर निशाना साधते हुए सोरेन ने कहा कि तानाशाहों के पास अरबों रुपये हो सकते हैं लेकिन मेरा मानना है कि अनुचित तरीकों से जीत हासिल करने के बजाय सिद्धांतों पर अड़े रहना बेहतर है।

72 लाख रुपए से अधिक के दिए गए विज्ञापन

सोरेन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि पिछले 30 दिन में झारखंड चौपाल, रांची चौपाल जैसे विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट से 72 लाख रुपये के विज्ञापन दिए गए हैं। अगर आप इन पेजों की सामग्री देखेंगे तो आपको समझ में आ जाएगा कि उनका एकमात्र उद्देश्य मेरी और राज्य की छवि खराब करना, धार्मिक उन्माद फैलाना और लोगों को आपस में लड़ाना है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। सोरेन ने आरोप लगाया कि इसके अलावा 95,000 से अधिक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर राज्य और उसके नागरिकों की छवि लगातार खराब की जा रही है।

अपने सिद्धांतों पर टिके रहना जरूरी

झामुमो नेता ने कहा कि हमारा मानना है कि अनुचित तरीकों से जीतने की अपेक्षा अपने सिद्धांतों पर अडिग रहना बेहतर है। झामुमो नेता ने आरोप लगाया कि तानाशाहों ने नकली टीके और दवाइयां बेचकर अरबों रुपये कमाए होंगे, लेकिन इससे उनकी कभी वास्तविक प्रगति नहीं होगी। आप लोग ही मेरी असली ताकत हैं। जब से मैं जेल गया, तब से लेकर आज तक आपने हमेशा मेरा साथ दिया है। इसके लिए मैं आप सभी का बहुत-बहुत आभारी हूं।

70 सालों से हमने बहुत नुकसान झेला : महबूबा

» पीडीपी अध्यक्ष ने की केंद्र से दो पावर प्रोजेक्ट की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू और कश्मीर में जारी संघर्ष को लेकर कहा आप जानते हैं कि पिछले 70 वर्षों से जम्मू-कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध का मैदान बना हुआ है। कई युद्ध हुए हैं, और हर रोज एक नई घटना घटित होती है।

महबूबा ने श्रीनगर संडे मार्केट ग्रेनेड हमले में घायल हुई अबीदा के निधन का जिक्र करते हुए कहा अबीदा जो ग्रेनेड हमले में घायल हुई थीं, कल अपनी चोटों के कारण निधन हो गई। हमने जो नुकसान झेला है, वह कभी पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने इंदस जल संधि के बारें बताया कि हम इंदस जल संधि का पूरा उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन जो भी हमें मिल रहा है और जो पावर प्रोजेक्ट्स हमने बनाए हैं, क्या वे हमारे हैं?

लखनऊ में फैल रहा जहर

तस्वीरों में दिख रहा है ये धुंध काफी जानलेवा है। क्योंकि ये कोहरा नहीं बल्कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आए दिन बढ़ रहे वायु प्रदूषण की एक झलक है। इस प्रदूषित धुंध के चलते अब प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी सांस लेना दिन पर दिन मुश्किल होता जा रहा है। लखनऊ में पिछले कुछ दिनों में वायु प्रदूषण अपने खतरनाक स्तर को पार कर चुका है और नए रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर है।

फोटो: सुमित कुमार

योगी भाईजान मुझे भाजपा नेता से इंसाफ दिलाइये...

» भाजपा के महिला सशक्तिकरण व कानून व्यवस्था की खुली पोल

» योगी राज में बीजेपी महिला नेता को ही नहीं मिल रहा इंसाफ

» बीजेपी नेता पर ही पार्टी की महिला के साथ यौन शोषण करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। मजबूत कानून व्यवस्था का दंभ भरने वाली बीजेपी के राज में जब भाजपा के नेताओं की ही सुनवाई नहीं हो रही है और उन्हें इंसाफ नहीं मिल पा रहा है, तो आम जनता इनसे क्या ही उम्मीद लगाए। जिस प्रदेश के मुखिया ही बटेंगे और कटेंगे की बात कर रहे हों और समाज को बांटने की योजना बना रहे हों, उनके राज में उनकी ही पार्टी की एक महिला नेता इंसाफ के लिए भटक रही है, लेकिन मुख्यमंत्री जी तो बांटने और काटने में व्यस्त हैं।

महिला ने फेसबुक पर किया पोस्ट

नारी सशक्तिकरण का राग अलापने वाली भाजपा के अंदर ही महिलाओं की क्या स्थिति है यह इस घटना से पता चलता है। पीड़ित महिला भाजपा नेता ने फेसबुक पोस्ट में मुख्यमंत्री योगी को भाईजान संबोधित कर इंसाफ की मांग करते हुए लिखा कि मैं बहुत परेशान हूं। मुझे आपकी मदद की जरूरत है। अनीस अंसारी ने मेरे साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है। आप मुझे न्याय दिलाएं। मेरा मुकदमा नहीं लिखा जा रहा है। मुझ पर सात नवंबर को हमला कराया गया, जिसका मुकदमा बारादरी में लिखवा चुकी हूं। मुझे रोज धमकी मिल रही हैं कि मुकदमा लिखवाने से पहले तुझे और तेरे बच्चों को मार देंगे। योगी भाईजान मेरी और मेरे बच्चों की मदद कीजिए।

अनीस ने निकाह से किया इंकार

बता दें कि भाजपा नेता अनीस अंसारी का महिला से बातचीत की रिकार्डिंग वायरल हुई थी। इसके बाद उन्होंने खुद ही पद छोड़ दिया था। महिला ने बताया कि अनीस अंसारी के हाथ से लिखे कागजात समेत कई सबूत उसके पास हैं। महिला ने बताया कि वह उसे लंबे समय से पत्नी की तरह रख रहे थे। आरोप लगाया कि अनीस उसे बुर्का पहनाकर लखनऊ के होटल में ले जाते थे। महिला का कहना था कि अनीस अंसारी ने उससे कहा कि पति से तलाक ले लो तो वह उसके साथ निकाह कर लेंगे। उसने यह बात लिखवाकर अनीस से दस्तखत करवा लिए। यह कागज उसके पास है। जब उसने पति को तलाक दे दिया तो अनीस ने निकाह से इन्कार कर दिया।

यही कारण है कि इंसाफ की उम्मीद में भटक रही महिला ने अब खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने लिए इंसाफ की मांग की है। पिछले दिनों महिला ने अनीस अंसारी और उनके दो साथियों पर यौन शोषण करने का आरोप लगाकर एसएसपी कार्यालय में शिकायत की थी।

मामले में एसपी सिटी ने जांच शुरू कर महिला के बयान दर्ज किए, लेकिन अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। इस पर महिला नेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और वीडियो डालकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इंसाफ की गुहार लगाई है।

135वीं जयंती पर याद किए गए पंडित नेहरू

» प्रथम प्रधानमंत्री को पूर्व पीएम ने दी श्रद्धांजलि

» शांति वन पहुंची प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की आज 135वीं जयंती है। पूरे देश में नेहरू की जयंती को बाल दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत राजनीति जगत की कई शख्सियतों ने पूर्व प्रधानमंत्री को याद किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और पार्टी के अन्य नेता पंडित नेहरू के समाधि स्थल शांति वन पहुंचे और पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

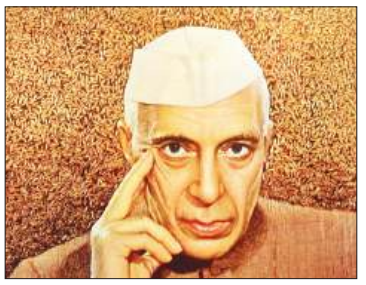

'हिंद के जवाहर' के मूल्य हिंदुस्तान के आधारस्तम्भ : राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी पंडित नेहरू की जयंती पर उन्हें याद करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि आधुनिक भारत के जनक, संस्थानों के निर्माता, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर सादर नमन। लोकतांत्रिक, प्रगतिशील, निडर, दूरदर्शी, समावेशी - हिंद के जवाहर के यही मूल्य हमारे आदर्श और हिंदुस्तान के आधारस्तम्भ हैं और हमेशा रहेंगे।

पंडित नेहरू ने हमेशा जनता को सर्वोपरि रखा: प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में भी अपने परदादा पंडित नेहरू को याद करते हुए नेहरू के एक वाक्य को लिखते हुए कहा कि %दुनिया में जितनी भी बुराइयां हैं, डर उन सबकी बुनियाद है। दशकों के संघर्ष और असंख्य कुर्बानियों के बदले जब हमने आजादी हासिल की, तब भी ऐसे लोग थे जो भोली-भाली जनता को डराने और बहकाने की सियासत करते थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने डटकर उनका मुकाबला किया। प्रियंका ने लिखा कि जनता में डर फैलाने वाले लोग जनता के सच्चे प्रतिनिधि नहीं हो सकते। जनसेवक सीना तानकर सबसे आगे खड़े होते हैं ताकि लोग निडर होकर जी सकें। पंडित नेहरू जी ने जनता को हमेशा निडरता और निस्वार्थ सेवा की सीख दी तो दूसरी तरफ राष्ट्र निर्माण के हर पड़ाव पर जनता को सर्वोपरि रखा।

विधायक अमानतुल्लाह को कोर्ट से मिली राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली वक्फ बोर्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान को बड़ी राहत मिली है। राउज ऐवन्यू कोर्ट ने ईडी द्वारा दाखिल सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेने से फिलहाल इनकार कर दिया है। इसी के साथ राउज ऐवन्यू कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान को जेल से रिहा करने का आदेश जारी कर दिया है।

राउज ऐवन्यू कोर्ट ने कहा कि अमानतुल्लाह खान के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सैंक्शन नहीं लिया गया है। ईडी ने आप नेता अमानतुल्लाह खान और मरियम सिद्दीकी के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल किया था। माना जा रहा है कि आप विधायक अमानतुल्लाह खान की रिहाई भी ही हो जाएगी। फॉरमैलिटी बेल बांड भरके आज शाम तक अमानतुल्लाह खान रिलीज हो सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि अमानतुल्लाह खान के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं, लेकिन उन पर केस चलाने की मंजूरी नहीं है।

भारत में सौ करोड़ हिंदुओं को डराने का काम हो रहा: गिरिराज

» राहुल गांधी और लालू यादव को बताया वोट का सौदागर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बेगूसराय सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लालू यादव और राहुल गांधी को घेरते हुए बड़ा बयान दिया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया में जो इस्लामिक देश हैं वहां भी बुर्का के खिलाफ कई जगह आंदोलन चल रहा है, लेकिन भारत के अंदर कट्टरपंथियों के कारण एक नई संस्कृति की देन शुरू हुई है। केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव पर भी निशाना साधा।

गिरिराज सिंह ने कहा कि जब कोई धर्म गुरु अरशद मदनी जैसा कहे कि मैं पांच लाख लोग को लेकर वक्फ बोर्ड के खिलाफ पहुंच जाऊंगा, सड़क पर जमा करूंगा, यानी कानून से मतलब नहीं है। तौकीर राजा कहे मैं दिल्ली को घेर लूंगा, ओवैसी कहे कि मैं 15 मिनट में बता दूंगा, वोट के सौदागरों ने देश में आतंक जैसा माहौल पैदा कर दिया है। भारत में अब सौ करोड़ हिंदुओं को डराने-धमकाने का काम हो रहा है। वोट के सौदागर उनके साथ खड़े दिखेंगे चाहे राहुल गांधी हों या लालू यादव हों।

सिद्धारमैया पर भी साधा निशाना

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया पर निशाना साधते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि वो खुद भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे हैं और अभी तक वह निर्लज्जता की सीमा पार कर गए हैं। कर्नाटक अभी पूरे देश में तुष्टिकरण की परकाष्ठा की राजनीति कर रहा है। टेंडर में अगर मुसलमान को रिजर्वेशन दिया जाए तो इससे बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण और क्या हो सकता है?

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।